“स्वस्थ व्यक्ति - सशक्त समाज - समृद्ध भारत”

नशा मुक्त भारत अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत पैदल मार्च का आयोजन।

नशा मुक्त भारत अभियान
पखवाड़ा
पैदल मार्च का आयोजन
31/07/2026
नशा छोड़ें, भारत जोड़ें

स्वस्थ व्यक्ति - सशक्त समाज - समृद्ध भारत
नशा मुक्त भारत अभियान
पखवाड़ा
25/07/2026 से 08/08/2026 तक
नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत
पैदल मार्च का आयोजन
31/07/2026
सरदार वल्लभभाई पटेल
कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
नशा छोड़ें, भारत जोड़ें
नशा छोड़ें
परिवार जोड़ें
समाज जोड़ें
देश जोड़ें

कृषि विश्वविद्यालय में 19वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न।

कृषि विश्वविद्यालय में 19वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न "कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। अनपढ़ होने के बावजूद अनेक महिलाएँ अपने परिश्रम से करोड़ों रुपये कमा रही हैं। हमें ऐसे प्रेरणादायी उदाहरणों से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।" — माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ में 20 जुलाई, 2026 को 19वें दीक्षांत समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन सम्पन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष एवं बनास डेयरी के चेयरमैन श्री शंकरभाई चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रपौत्र श्री अतुल धीरजलाल पटेल उपस्थित रहे। समारोह में कुल 450 छात्र-छात्राओं को स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें विभिन्न संकायों के 22 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। बीवीएससी एवं एनिमल हस्बैंड्री के छात्र आशुतोष शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चांसलर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। साथ ही चार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रायोजित स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के डॉ. एल. के. गंगवार को बेस्ट टीचर अवार्ड तथा प्रो. वैशाली को आउटस्टैंडिंग वुमन टीचर अवार्ड प्रदान किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों से ज्ञान, कौशल एवं संस्कारों का उपयोग राष्ट्र, समाज और किसानों की सेवा में करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि कृषि, पशुपालन, ग्रामीण उद्यमिता, खाद्य प्रसंस्करण एवं किसान कल्याण का सशक्त ज्ञान केंद्र है। उन्होंने नवाचार, सहयोग और सामूहिक प्रयासों पर बल देते हुए सुझाव दिया कि दीक्षांत समारोह को भविष्य में "दीक्षोत्सव" के रूप में कम से कम 15 दिनों तक आयोजित किया जाए, जिसमें किसानों, महिलाओं और ग्रामीण बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित हो। मुख्य अतिथि श्री शंकरभाई चौधरी ने प्रधानमंत्री के डिजिटल कृषि और नवाचार के विज़न का उल्लेख करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधुनिक तकनीक और डिजिटल समाधान,भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विशिष्ट अतिथि श्री अतुल धीरजलाल पटेल ने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने, नवाचार को अपनाने तथा किसानों और समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का आह्वान किया। कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने विद्यार्थियों को रोजगार खोजने के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनने की प्रेरणा देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, खाद्य प्रसंस्करण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन तकनीक एवं डिजिटल कृषि जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण विकसित कर रही है। राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख ने शिक्षा को समाज सेवा का माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं आधारभूत संरचना संबंधी उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 133 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाएँ प्रगति पर हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं पतंजलि भारतीय आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, हरिद्वार के मध्य कृषि, आयुर्वेद एवं अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। समारोह में कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही, कैबिनेट मंत्री श्री सोमेन्द्र तोमर, राज्य मंत्री श्री बलदेव सिंह औलख, एमएलसी श्री धर्मेन्द्र भारद्वाज, पूर्व सांसद श्री राजेन्द्र अग्रवाल एवं डॉ. संजीव बालियान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गौरव चौधरी, श्री सुनील भराला सहित विश्वविद्यालय के प्रबंध परिषद के सदस्य, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएँ एवं उनके अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ
19वाँ दीक्षांत समारोह
सोमवार, 20 जुलाई, 2026

SVPUAT

SVPUAT

SVPUAT
SVPUA&

SVPUA&

SVPUA&

SVPUAT
SVPUAT
SVPUAT
SVPUA&

SVPUA&

SVPUA&

SVPUA&

SVPUAT

उपाधि प्राप्तकर्ता
पीएच.डी.

Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology, Meerut
www://nad.digilocker.gov.in
450 DEGREES UPLOADED
भारत रत्न
रजत जयंती

SVPUAT

SVPUAT

SVPUAT

SVPUAT

सप्रेम भेंट
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

भारत रत्न
लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की
150 वीं जयंती
सप्रेम भेंट
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
SVPUAT

भारत रत्न
लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की
150 वीं जयंती
SVPUAT

SVPUAT

150वीं जयंती

SVPUAT

भारत रत्न
लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की
150वीं जयंती
SVPUAT
श्री सूर्य प्रताप शाही

भारत रत्न
रजत जयंती

गाँधी हॉल
(परीक्षा भवन)

स्वागतम्

विशेष सचिव कृषि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री लाल बहादुर जी ने दिनांक 30.06.2026 को कृषि विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिटों का निरीक्षण किया।

दिनांक 30.06.2026 को विशेष सचिव कृषि कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री लाल बहादुर जी द्वारा कृषि विश्वविद्यालय की प्रोसेसिंग यूनिट उद्यान अनुसंधान केंद्र सब्जी अनुसंधान केंद्र पोल्ट्री अनुसंधान केन्द्र हाई टेक नर्सरी नेमाटोड प्रयोगशाला ड्रोन प्रशिषण केंद्र हॉस्टल्स एवं अन्य विभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं से प्रसन्ता व्यक्त की गई एवं माननीय कुलपति जी के प्रयासों की सराहना भी करते हुए उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास पर ज़ोर दिया।

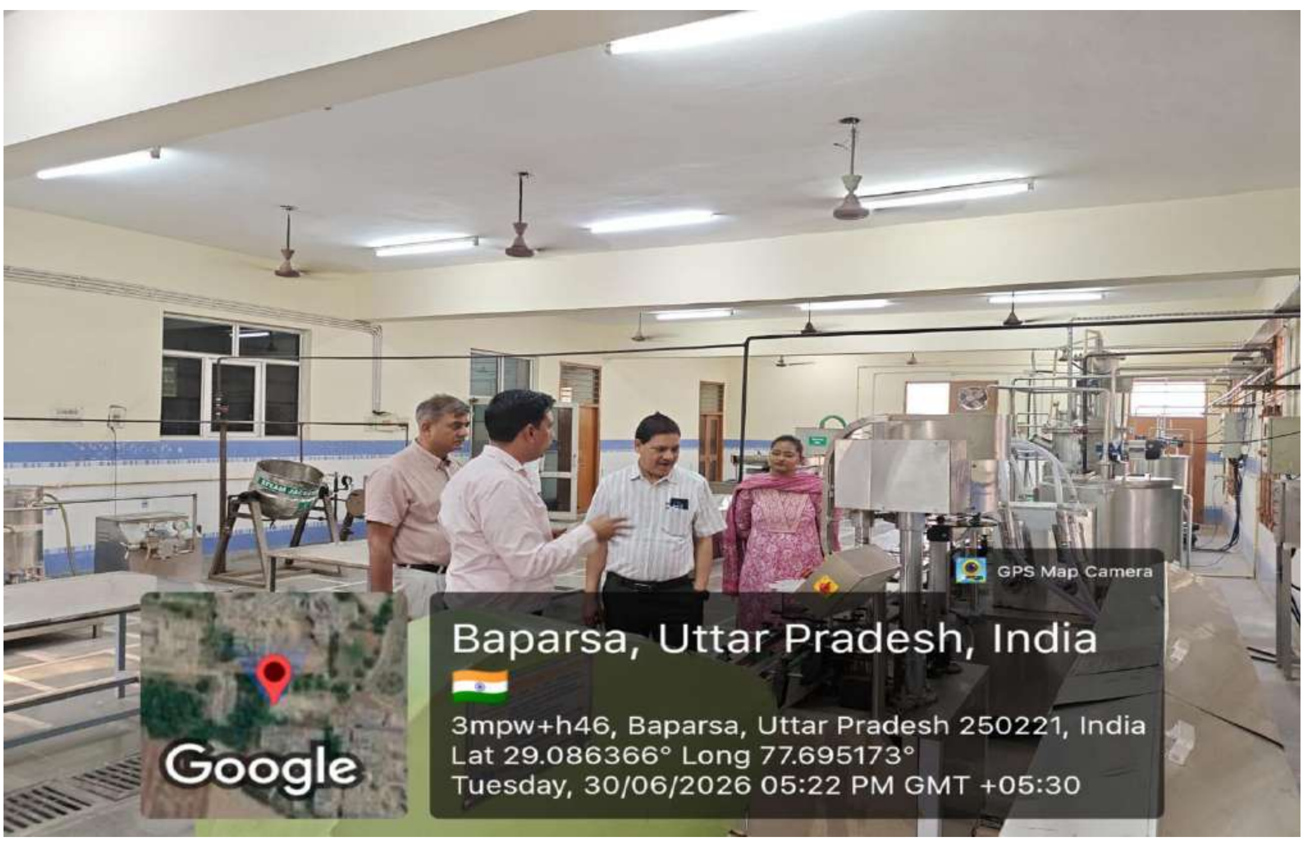
GPS Map Camera
Baparsa, Uttar Pradesh, India
3mpw+h46, Baparsa, Uttar Pradesh 250221, India
Lat 29.086366° Long 77.695173°
Tuesday, 30/06/2026 05:22 PM GMT +05:30
Google

स्टेडियम
DOOR STADIUM

मियावाकी वन
Miyawaki Forest

Egg Parasitoids

माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी एवं माननीय कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त जी द्वारा जनपद मुरादाबाद के कृषि विज्ञान केंद्र, ठाकुरद्वारा में खेत बचाओ अभियान किसान संगोष्ठी का आयोजन।

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत आज जनपद मुरादाबाद के कृषि विज्ञान केंद्र, ठाकुरद्वारा में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया । किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग, हरी खाद के लिए ढैंचा की बुवाई, जैविक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन एवं जल संरक्षण की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। खेत बचाओ अभियान का उद्देश्य भूमि की घटती उर्वरा शक्ति को रोकना और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देना है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ त्रिवेदी दत्त जी, निदेशक कृषि श्री पंकज त्रिपाठी जी, निदेशक प्रसार कृषि विश्वविद्यालय मेरठ डॉ सत्येंद्र कुमार जी, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, ठाकुरद्वारा डॉ रविंद्र कुमार सिंह, आदि उपस्थित रहे।

Today health check up of girl students was conducted at Sarojini hostel.

उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल महोदया एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त जी ने शिष्टाचार भेंट की।

उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल महोदया एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी से सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के माननीय कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त जी ने शिष्टाचार भेंट की।

माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय में विभिन्न नवीन विषयों में आरंभ किये जाने वाले स्नातक, परास्नातक तथा स्नात्कोत्तर, एवं रोजगारपरक डिप्लोमा, वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के बारे में माननीय राज्यपाल महोदया जी को अवगत कराया.

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने छात्र कल्याण से जुड़े हुए नवीन कार्यों यथा कोऑपरेटिव मेस, छात्रावासों की साफ सफाई एवं उच्च प्रबंधन तथा छात्रावासों में नशाबदी अभियान के बारे में भी माननीय राज्यपाल महोदया जी को अवगत कराया.

इसके साथ ही, विश्वविद्यालय द्वारा मनाई जा रही रजत जयंती तथा सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयंती: 'एकता एवं प्रगति का उत्सव' के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा की एवं माननीय राज्यपाल महोदया जी का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

<u>दीक्षोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन</u>

दीक्षोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय में 19वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर दीक्षोत्सव कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 22 जून 2026 को चित्रकला, एकल नृत्य, समूह नृत्य तथा समूह गान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय में स्थित समस्त महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर प्रतिभा किया तथा अभूतपूर्व प्रस्तुति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ० विनीता वर्मा तथा डॉ० देवासिस राय ने किया। छात्र/छात्राओं के प्रदर्शन का निर्णायक समिति द्वारा मूल्यांकन किया गया। निर्णायक समिति में डॉ० बुद्धेश गौतम, डॉ० अजीत कुमार, डॉ० श्रेया रावत, डा० अखिलेश तथा श्रीमती प्रतिभा रहे।

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
निबंध

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
विश्वविद्यालय द्वारा अंतर महाविद्यालय काव्य एवं
निबंध लेखन तथा भाषण चित्रकला, देशभक्ति गीत
एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता
आयोजकः- अधिष्ठाता छात्र कल्याण अनुभाग

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
विश्वविद्यालय द्वारा अंतर महाविद्यालय काव्य एवं
निबंध लेखन तथा भाषण चित्रकला, देशभक्ति गीत
एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
एवं लोक नृत्य प्रतियोगिता

नारी शक्ति वंदन
सशक्त नारी, समर्थ भारत
प्रतिभा, सामर्थ्य और विकास
की प्रतीक : नारि शक्ति

नारी शक्ति वन्दन

नारी शक्ति वंदन

दीक्षोत्सव कार्यक्रम
विश्वविद्यालय द्वारा अंतर महाविद्यालय काव्य एवं
निबंध लेखन तथा भाषण चित्रकला, देशभक्ति गीत
एवं लोक नृत्य
आयोजक:- अधिष्ठाता

उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी से सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के माननीय कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने विश्वविद्यालय की बहुआयामी प्रगति , शिक्षण-शोध गतिविधियों और कृषक कल्याण की दिशा में किए जा रहे नवीन प्रयासों से माननीय मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया।

साथ ही, विश्वविद्यालय की आगामी कार्य योजनाओं एवं रजत जयंती तथा सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती: 'एकता एवं प्रगति का उत्सव ' के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की एवं माननीय मुख्यमंत्री जी का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया।

उत्तर प्रदेश सरकार

प्रेस विज्ञप्ति

कृषि महाविद्यालय, स0व0प0 कृषि एंव प्रौ0 वि0वि0 मेरठ, द्वारा 01 दिवसीय 88 वें आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षु वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियो के लिये शुभारम्भ हुआ। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति महोदय डा0, त्रिवेणी दत्त जी के मार्ग निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कूलसचिव महोदय डा0 वी0 पी0 सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

अधिष्ठाता कृषि डा0 विवेक जी ने अधिकारियो को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज के परिवेश में वातावरण को स्वच्छ एंव संतुलित बनाये रखने, उच्च गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न, फल, सब्जियॉ, दूध उत्पादन एंव मृदा की जैविक, रासयनिक एंव भौतिक गुणवत्ता बनाये रखने के लिये कृषि की महत्वता अति महत्वपूर्ण है।

डा0 एस0 पी0 सिंह मृदा विज्ञान, भ्रमण समन्वयक ने विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुये बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षु वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीगण इस कार्यक्रम मे प्रतिभााग कर रहे है। उन्होने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय से समबन्धित व्याख्यान, प्रयोशालाओ में प्रयोग एंव भ्रमण कराये गये। डा0 आदेश सिंह शस्य विज्ञान ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस आयोजन मे उपस्थित रहे, डा0 योगेश कुमार, डा0 मनोज कुमार सिंह, एंव डा0 सत्यवीर सिंह उपस्थित रहे।

मिलेट प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसवीपीयूएटी), मेरठ के कृषि महाविद्यालय तथा पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी एवं फूड प्रोसेसिंग महाविद्यालय द्वारा उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (UPCAR), लखनऊ वित्त पोषित परियोजना*"Enhancement of Production and Value Added Products of Sorghum (Sorghum bicolor L. Moench)"* के अंतर्गत **"Millet to Market: Training on Processing, Quality Evaluation and Value Addition (M2M-2K26)"**विषयपर 10 दिवसीय युवाओं हेतु हस्त-प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में मिलेट प्रसंस्करण, गुणवत्ता मूल्यांकन, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग तथा विपणन संबंधित तकनीकी दक्षता एवं उद्यमिता कौशल का विकास करना है। प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को श्रीअन्न (मिलेट्स) के पोषणीय महत्व, प्रसंस्करण तकनीकों तथा स्वरोजगार एवं कृषि-आधारित उद्यम स्थापना की संभावनाओं से अवगत कराया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को देश भर से उत्साह जनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जो उत्तरप्रदेश, पंजाब, उत्तराखण्ड, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, हिमाचल प्रदेश एवं मिजोरम सहित विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालयों, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों तथा निजी संस्थानों से प्रतिभागियों की सहभागिता मिलेट आधारित खाद्य प्रणालियों, मूल्य संवर्धन एवं उद्यमिता के प्रति बढ़ती राष्ट्रीय रुचि को दर्शाती है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मिलेटआटा, फ्लेक्स, दलिया, बेकरी उत्पाद, रेडी-टू-कुक एवं रेडी-टू-ईट उत्पाद, एक्स ट्रूडेड स्नैक्स, ब्रेक फास्ट सीरियल्स तथा अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। साथ ही गुणवत्ता मूल्यांकन, खाद्य सुरक्षा, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन रणनीतियों एवं उद्यमिता विकास से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान भी आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, निदेशकअनुसंधान, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता तथा पोस्टहार्वेस्ट टेक्नोलॉजी एवं फूड प्रोसेसिंग महाविद्यालय के अधिष्ठाता सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (UPCAR), लखनऊ के उपमहानिदेशक **प्रो. परमेन्द्र सिंह** ने प्रति भागियों को संबोधित करते हुए पोषण सुरक्षा, सतत कृषि एवं ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण में मिलेट आधारित उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम निदेशक एवं परियोजना अन्वेषक **डॉ. पूरनचन्द** ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्यों एवं अपेक्षित परिणामों की जानकारी दी। कार्यक्रम समन्वयक एवं सह-अन्वेषक **डॉ. अरुण कुमार गुप्ता**, प्रशिक्षण समन्वयक **डॉ. अतर सिंह**, **डॉ. श्वेता यादव** एवं **डॉ. अजीत कुमार सिंह** ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में आई सी ए आर-सीफेट, लुधियाना के वैज्ञानिक **डॉ. शुभम रोहिल्ला**, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य **डॉ. मानस शर्मा** सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान एवं व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए मिलेट आधारित प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन तकनीकों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए अपना ने में रुचि दिखाई।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, वैज्ञानिकों, तकनीकी कर्मचारियों, उद्योग सहयोगियों तथा छात्र स्वयं सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

Vallabhbhai Patel University of
10 Days Hands-on Training
Millet to Market:
01- 10 June, 2026
Jointly Organized by
and

Meerut
10 Days Hands-
Millet
Quality
Evaluation

कार्यालय अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय
OFFICE OF THE DEAN AGRICULTURE

Visit of Hon'ble Vice Chancellor to observe the University Activities and Green Campus Status

Visit of Hon'ble Vice Chancellor to observe the University Activities and Green Campus Status

दिनांक 16.05.2026 को माननीय कुलपति जी से जैविक खेती कृषक, विकास बालियान ग्राम भौंरा खुर्द, मुज़फ्फरनगर ने शिष्टाचार मुलाकात की।

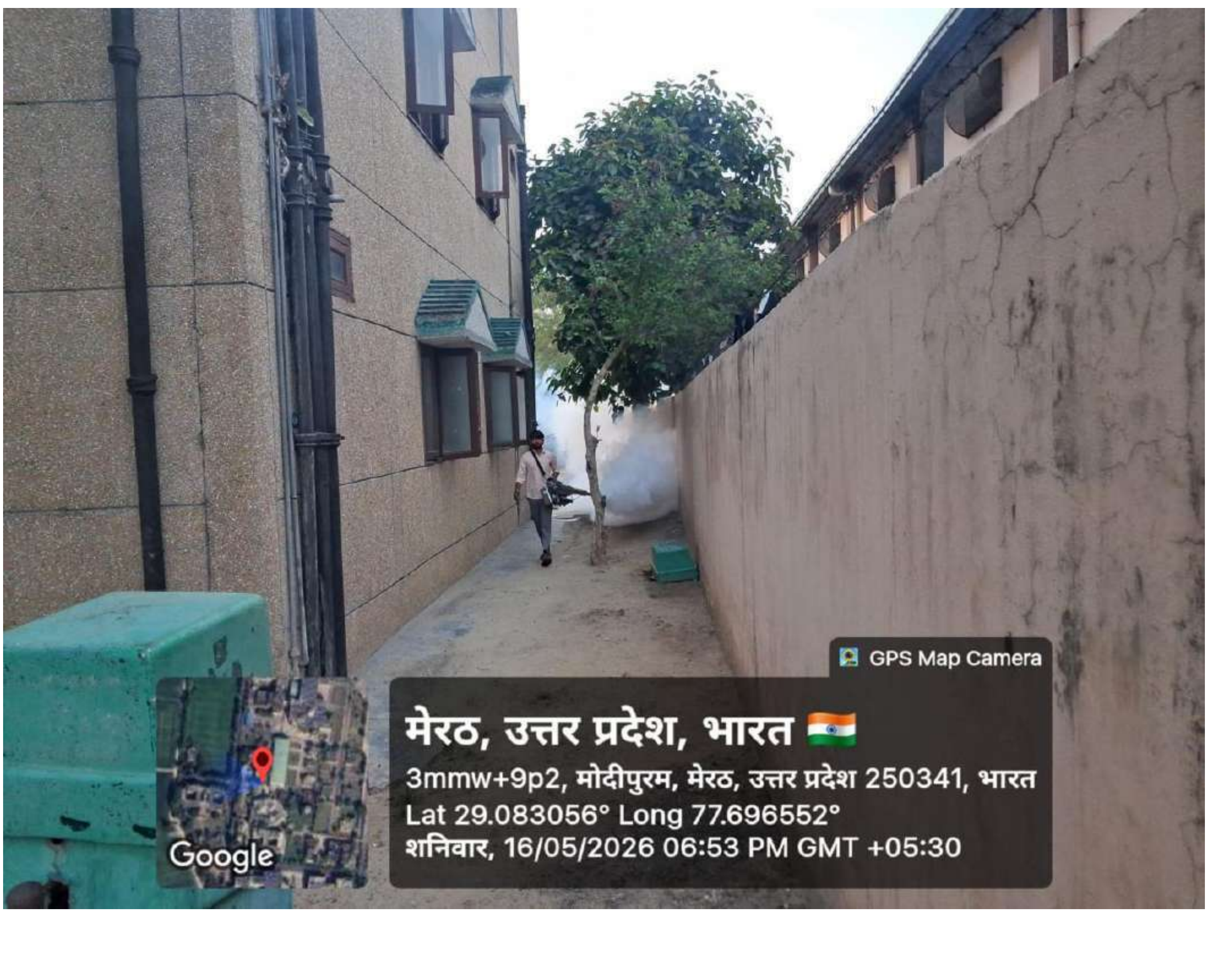

Fogging Activity in Hostels

माननीय कुलाधिपति महोदया की अध्यक्षता में विश्वविधालय के कुलपति एवं अन्य अधिकारीयों की समीक्षा बैठक

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज जन भवन में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के कुलपति एवं अन्य अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विश्वविद्यालय तथा उसके अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों, शैक्षिक एवं गैर-शैक्षणिक फैकल्टी, अनुसंधान गतिविधियों, रिक्त पदों के सापेक्ष भर्ती, पुस्तकालय, प्रयोगशालाओं, बेस्ट प्रैक्टिस, विद्यार्थी कल्याण, आधारभूत सुविधाओं, भवनों की स्थिति, विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति रिपोर्ट, खेलकूद एवं सामाजिक गतिविधियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि किसी भी कार्य का परिणाम महत्वपूर्ण होता है तथा विश्वविद्यालयों को अपने कार्यों के ठोस परिणाम समाज के समक्ष प्रस्तुत करने चाहिए। उन्होंने मिलेट उत्पादन को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य केवल शिक्षण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उत्पाद निर्माण, पैकेजिंग एवं विपणन तक उसकी सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि निजी कंपनियों को आमंत्रित कर विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

उन्होंने कहा कि जिस लक्ष्य के साथ कार्य प्रारम्भ किया जाए, उसे पूर्णता तक पहुंचाना आवश्यक है। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना एवं सरकार की अन्य योजनाओं से जोड़ने, विद्यार्थियों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने तथा ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए जिन्हें रोजगार अथवा उद्यम स्थापना हेतु वित्तीय सहयोग की आवश्यकता हो।

राज्यपाल जी ने ऐसे फल एवं सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने पर बल दिया जिनका उत्पादन प्रदेश में कम होता है। उन्होंने कहा कि आय सृजन के लिए यूनिक एवं उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों का उत्पादन आवश्यक है। उन्होंने परंपरागत उत्पादों की प्रोसेसिंग के साथ नए उत्पाद विकसित करने तथा फलों एवं सब्जियों के अपव्यय को रोकते हुए उन्हें उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को किसानों की समस्याओं को कम करने की दिशा में व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करने चाहिए।

बैठक में कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमि, नक्शा, सीमांकन एवं अतिक्रमण हटाने के विषय पर भी चर्चा हुई। राज्यपाल जी ने निर्देश दिए कि जिन कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमि विश्वविद्यालय के नाम पर दर्ज नहीं है, उन्हें विश्वविद्यालय के नाम दर्ज कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय के गर्ल्स छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्ल्स एवं ब्वॉइज छात्रावास के कमरों को व्यवस्थित रखने तथा छात्र-छात्राओं द्वारा पेंटिंग एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि चीफ वार्डन सक्रिय भूमिका निभाएं तथा कुलपति एवं संबंधित अधिकारियों को यह जानकारी होनी चाहिए कि छात्र-छात्राएं किसी गतिविधि या खेलकूद हेतु बाहर जा रहे हैं तो कितने छात्र जा रहे हैं और कहां जा रहे हैं। उन्होंने छात्रावास में छात्राओं के विलंब से लौटने पर विशेष निगरानी रखने तथा अध्यापिकाओं को छात्राओं से नियमित संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को समझने के निर्देश दिए।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालित नवाचारों का उल्लेख करते हुए बताया कि यहां पॉक्सो एक्ट से प्रभावित बच्चियों को सिलाई एवं अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने छात्राओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं हीमोग्लोबिन जांच पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने मेरठ में उत्पादित खेल सामग्री उत्पादों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के उद्योगों एवं उद्यमों से सीएसआर फंड प्राप्त कर विकासात्मक कार्यों को गति दी जा सकती है। उन्होंने कृषि उत्पादकता बढ़ाने, बहुफसली खेती को प्रोत्साहित करने तथा आयात कम एवं निर्यात अधिक करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को आंकड़ों के आधार पर लक्ष्य निर्धारित कर किसानों को उत्पादन के लिए प्रेरित करना चाहिए तथा अनुसंधान कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को गन्ना उत्पादन के लिए उपयुक्त बताते हुए राज्यपाल महोदया ने कहा कि गन्ने के साथ-साथ अन्य फसलों का उत्पादन भी बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक जिम्मेदारी तय करने पर बल दिया।

राज्यपाल जी ने जन भवन में संचालित नवाचारों की चर्चा करते हुए कहा कि झोपड़पट्टी एवं गरीब परिवारों के बच्चों का यहां संचालित विद्यालय में नामांकन कराया गया है। उन्होंने बताया कि जन भवन के कार्मिक एवं सुरक्षाकर्मी स्वेच्छा से ड्यूटी समय के बाद बच्चों को खेल प्रशिक्षण, बैंड एवं बांसुरी वादन का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उन्होंने जन भवन में होने वाले पौधारोपण, गरबा, नाटक, संविधान पर चर्चा एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में कोई न कोई प्रतिभा एवं गुण होता है, आवश्यकता केवल उन प्रतिभाओं को पहचानकर निखारने की है।

Student Intake

Millet Processing Centre
आदरणीय श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी
की अध्यक्षता में
समीक्षा बैठक / प्रस्तुतीकरण

प्रेस विज्ञप्ति

महिला अध्ययन केन्द्र, कृषि विष्वविद्यालय के द्वारा 'महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के माननीय कुलपति डा0 त्रिवेणी दत्त के दिशानिर्देषों के अनुपालन में महिला अध्ययन केन्द्र के द्वारा ग्राम चिरौड़ी में स्थित विश्वविद्यालय के फार्म हाउस के ब्लॉक बी में महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 08 मई, 2026 को किया गया।

कार्यक्रम में डा0 विनीता वर्मा, सचिव, महिला अध्ययन केन्द्र ने स्वागत भाषण में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया तथा महिलाओं को स्वावलम्बि बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती इंदू सैनी, सब इंस्पेक्टर थाना दौराला तथा प्रभारी मिशन नारी शक्ति ने महिलाओं को मिशन नारी शक्ति के अन्तर्गत चल रही योजनाओं के बारे में बताया तथा पुलिस द्वारा सहायता मांगने के लिए विभिन्न हेल्पलाईन नम्बर के विषय में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अन्त में डा0 रेखा दीक्षीत द्वारा धन्यावाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डा0 श्वेता आन्नद, डा0 निमिषा टेहरी, डा0 दामनी मैथाली, श्रीमती किरन, वर्णिका त्यागी, मनीषा, अनुराग तथा फार्म के समस्त कर्मचारियों ने सहयोग गया।

महिला सशक्तिकरण
महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास
पर एक दिवसीय कार्याशाला
दिनांक: 8 मई, 2026
आयोजन स्थल : ग्राम चिरोड़ी
महिला अध्ययन केन्द्र
मेरठ (उ० प्र०)

महिलाओं की नेतृत्व क्षमता का विकास
पर एक दिवसीय कार्यशाला

पर एक दिवसीय कार्यशाला
"एक दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन"

दिनांक १९.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत नारी शक्ति पदयात्रा कार्यक्रम का आयोजन।

कृषि विश्वविधालय द्वारा दिनांक १८.०४.२०२६ को श्री दिव्य वेद, पुराण एवं गीता सनातन मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत लोकसभा की कार्यवाही का सजीव प्रसारण।

दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत कलात्मक नवाचार कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत कहानी, लेखन, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

"Missed Call" Programme under the "Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023", Organized by COPHT

दिनांक १७.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन।

दिनांक १८.०४.२०२६ को "नारी शक्ति वंदन अधिनियम २०२३" के अंतर्गत साइकिल/स्कूटी यात्रा कार्यक्रम का आयोजन।

“Excellence Recognized: Faculty Members Awarded U.P. Agricultural Scientist Award 2025–2026”

Hon’ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Satya Prakash, Professor & Head, Department of Horticulture, on receiving the Lifetime Achievement Award 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon’ble Chief Minister of Uttar Pradesh.

Hon’ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. L.K. Gangwar, Professor, GPB & Director, IQAC, on receiving the Vishist Vaigyanik Puraskar 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon’ble Chief Minister of Uttar Pradesh.

Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Vaishali, Professor & Head, Department of Biotechnology, on receiving the Vishist Vaigyanik Puraskar 2025–26 at the U.P. Science Congress by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.

Hon'ble Vice-Chancellor Dr. Triveni Dutt congratulates Dr. Pramila Umaraw, Assistant Professor, Department of Livestock Products Technology, College of Veterinary & Animal Sciences, on receiving the Yuva Vaigyanik Puraskar (Veterinary Science & Animal Husbandry) under the U.P. Agricultural Scientist Award 2025–26 by the Hon'ble Chief Minister of Uttar Pradesh.

SVPUA&T Signs MoU with the Floret Center, Nigeria to Strengthen Genomics and Bioinformatics Collaboration

Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut, signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Floret Center for Advanced Genomics and Bioinformatics Research, Nigeria, in a virtual ceremony held on 12th March 2026 under aegis of recently established Centre for International Relations (CIR). The partnership aims to promote academic cooperation, research collaboration, and knowledge exchange in the fields of genomics, bioinformatics, and advanced agricultural sciences.

The Virtual MoU Exchange and Partnership Ceremony was conducted online with participation from scientists, faculty members, and institutional leadership from both India and Nigeria.

The program began with the national song followed by a welcome address by Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR.Mr Duro-Bello, Director (Governance) and Mr. Ibikunle, Director (Strategy & Collaborations) from The Floret Center introduced the gathering to The Floret Centre and also highlighted the research strengths and ongoing research activities in advanced genomics and bioinformatics research. Dr Pushpendra Kumar, Director, CIR presented the overview and vision of collaboration, emphasizing opportunities for joint research projects, faculty and student exchanges, training programs, and collaborative publications.

Presidential remarks were delivered by Dr Olabisi Flora, Executive Director of the Floret Center and Dr Triveni Dutt, Hon'ble Vice-Chancellor. Dr Dutt highlighted the importance of international partnerships in addressing global challenges in agriculture, biotechnology, and food security. He expressed confidence that the partnership would open new avenues for scientific research and capacity building between the two institutions. He also emphasized on students/ faculty mobility, joint workshops and development of an Institutional consortium on Bioinformatics. The Vice-Chancellor also emphasized that such international collaborations align closely with the vision of the National Education Policy 2020 andwill contribute meaningfully to the national mission of Viksit Bharat 2047.

The ceremony concluded with a vote of thanks from representatives of both organizations, followed by a virtual group photograph of all participants. The event ended with the national anthems of Nigeria and India, symbolizing the beginning of a new academic partnership between the two countries.

This collaboration marks another step forward in SVPUA&T's efforts to expand its global academic network and promote international research cooperation in emerging scientific fields.

Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria

Glimpses of MoU Signing Ceremony between SVPUA&T., Meerut and the Floret Center, Nigeria

प्रसार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए ०5 नयी बुलेरो N4 माननीय कुलपति जी द्वारा कृषि विज्ञानं केंद्रों के लिए रवाना की गयी।

आई0सी0ए0आर0-अटारी, कानपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के अन्तर्गत स्थापित 05 कृषि विज्ञान केन्द्रों क्रमशः गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर-प्रथम, शाहजहाँपुर, मुरादाबाद-प्रथम एवं सहारनपुर को नए वाहन क्रय करने हेतु बजट उपलब्ध कराया। उक्त के क्रम में विश्वविद्यालय द्वारा 05 नई बुलेरो एन4 क्रय किया गया। आज दिनांक 12 मार्च, 2026 को विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, डा0 त्रिवेणी दत्त जी द्वारा पूजा अर्चना के उपरान्त वाहनों को झंडी दिखाकर गन्तव्य कृषि विज्ञान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। माननीय कुलपति जी ने प्रसार तंत्र के और सुदृढ़ होने तथा गाँवों तक और अधिक पहुँच के लिए वाहनों को उपयोगी बताया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, निदेशक प्रसार, निदेशक शोध, निदेशक प्रशासन एवं अनुश्रवण, समस्त अधिष्ठातागण, प्रसार निदेशालय के समस्त अधिकारी एवं कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रशासनिक भवन

Post Budget Webinar on the Theme "Agriculture and Rural Transformation" in which Hon'ble Prime Minister addressed through virtual mode

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह जी का जनदिवस के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अपने जन्मदिवस (5 मार्च) को "प्रेम-सेवा संकल्प दिवस" के रूप में मनाने के आह्वान पर आज सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर माननीय कुलपति जी डॉ. त्रिवेणी दत्त जी एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में सहभागिता की।यह पहल इस संदेश को सशक्त करती है कि सच्ची शुभकामनाएँ शब्दों से नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे कर्मों से व्यक्त होती हैं। आइए, प्रेम-सेवा संकल्प दिवस के अवसर पर हम भी एक पौधा लगाकर हरित भविष्य की ओर अपना योगदान दें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस संगोष्ठी का उद्घाटन कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त एवं मुख्य अतिथि मेरठ हापुण लोकसभा क्षेत्र के सांसद अरुण गोविंद ने दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए सांसद अरुण गोविल ने कहा कि भारतीय पारंपरिक ज्ञान को सांस्कृतिक पहचान का आधार माना गया है आज के समय में भारतीय ज्ञान संस्कृति एवं रामायण जैसे महान ग से प्राप्त जीवन मूल्य राष्ट्र निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने युवाओं से भारतीय परंपरा संस्कार एवं नैतिक मूल्यों को आत्म साध करने का आवाहन किया उन्होंने कहा जब तक हम अपनी सोच और अपने एटीट्यूड को ठीक नहीं करेंगे तब तक हमारा सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता ज्ञान और बुद्धि को एक मान लिया जाता है लेकिन दोनों के मध्य अंतर है इसलिए दोनों का समावेश करते हुए विकास को सोचना होगा संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्य हमारी जड़े हैं इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हमें अपनी परंपराओं तथा तकनीक को जोड़कर विकसित भारत का निर्माण करना होगा उन्होंने कहा कि व्यक्ति के विकास के लिए ज्ञान बहुत जरूरी है हमें समग्र विकास के लिए उसे अपने जीवन में उतरना होगा उन्होंने कहा कि माननीय प्रभाव प्रधानमंत्री ने हमें गुलामी की मानसिकता से बाहर निकाला है और देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है हम सभी लोगों को मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत करना होगा अरुण गोविल सांसद ने कहा कि किताबें का चालान एकेडमिक नॉलेज में काम होता जा रहा है इस पर भी हमें ध्यान देना होगा हम चौथी सबसे बड़ी फाइनेंशियल पावर बन सके इसके लिए कार्य करना होगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कहा नई शिक्षा नीति 2020 के आने के बाद विश्वविद्यालय में लागू कर दी गई है इससे पूरे देश में बच्चों का अब सर्वांगीण विकास हो सकेगा इसमें भारतीय परंपरागत ज्ञान को जोड़ा जा रहा है साथ ही संस्कृत वेद पुराण महाभारत गीता रामायण से भी छात्रों को परंपरागत ज्ञान देने की शुरुआत की जाएगी इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा साथ ही परंपरागत कृषि का ज्ञान पर्यावरण का ज्ञान आदि छात्राओं को देकर विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य किया जाएगा साथ ही वैदिक मैथमेटिक्स कल्चरल आर्ट आदि की शिक्षा भी छात्र-छात्राओं को दी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान है बल्कि यह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शन का भी कार्य करती है।

संगोष्ठी के दौरान डॉ मनोज कुमार अग्रवाल प्रोफेसर एवं प्रचार एन यू एस महाविद्यालय ने भारतीय ज्ञान परंपरा एक परिचय डॉक्टर गजेंद्र सिंह स्कूल आफ मैथमेटिकल एंड कंप्यूटेशनल साइंसेज जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भारतीय प्राचीन गणित में एल्गोरिथमिक आधार आर्यभट्ट एवं आचार पिंगला विषय पर व्याख्यान दिए अंतिम सत्र में डॉक्टर परमानंद बर्मन वरिष्ठ वैज्ञानिक सिर निष्पद नई दिल्ली ने वैज्ञानिक रूप से मान्य भारतीय पारंपरिक ज्ञान विषय पर अपने विचार रखें कार्यक्रम में स्वागत भाषण कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह द्वारा तथा धन्यवाद प्रस्ताव डॉ विजय कुमार सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर कृतिका सिंह सोमवंशी द्वारा किया गया उद्घाटन सत्र के दौरान कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय डॉक्टर अर्चना आर्य आयोजन एवं अध्यक्ष न्यू एजुकेशन पॉलिसी समिति द्वारा प्रस्तुत किया गया

इस कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉक्टर रामजी सिंह कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर अर्चना आर्य डॉक्टर हितेश कुमार डॉ महेश कुमार भारतीय डॉक्टर श्वेता यादव अमित शर्मा दीपक गुप्ता सनी गुप्ता निर्देशक अधिष्ठाता शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं मौजूद रहे इस संगोष्ठी के अवसर पर घर-घर रामायण कार्यक्रम के अंतर्गत श्री रामायण की 200 प्रशन का विद्वत वितरण किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
अंतर्गत संगोष्ठी
फरवरी, 2026

भारतीय ज्ञान
Indian Knowledge

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ मे तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि विश्वविद्यालय मेरठ मे आयोजित की जा रही तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन हुआ जिसमे संघर्षपूर्ण मुकाबले मे पोस्ट हार्वेस्ट कालेज की टीम ने तकनीकी महाविद्यालय की टीम को पराजित करके विजेता का खिताब जीता इस प्रतियोगिता मे अक्षित सालियांन को सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का पुरस्कार मिला इसके अतिरिक्त बेस्ट रेडर का पुरस्कार अतुल देढा को एवं बेस्ट डिफेंडर का पुरस्कार कुशाग्र को दिया गया, समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डा० त्रिवेणी दत्त ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा की खेल कूद से छात्रों के अंदर न केवल खेल भावना विकसित होती है बल्कि उनका सर्वांगीन विकास भी होता है, तथा भविष्य मे खेल कूद की सुविधाओं को और अधिक बढ़ाने का पूर्ण प्रयास किया जायेगा, विश्वविद्यालय के खेल कूद समन्वयक डा० विपिन कुमार ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए विश्वविद्यालय मे खेल कूद की गतिविधियों की पूर्ण रूप रेखा प्रस्तुत की, अधिष्ठाता ने छात्रों से गतिविधियों का आयोजन करने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया, इस अवसर पर डा o वी के सिंह, डा o श्रेया रावत, डा o जेनिथा, आशा बिष्ट आदि उपस्थित रहे, प्रतियोगिता के आयोजन मे पुष्पेंद्र त्यागी, श्रुति,अक्षय प्रताप, अर्जुन मलिक आदि का विशेष सहयोग रहा।

Sardar Vallabhbhai Patel
of Agriculture and Technology, Meerut -250110
IARI WALA
University Kabaddi Tournament
(MEN)
Sponsored by : IARI WALA
Date : 24.02.2026 to 26.02.2026
Time : 04.00 pm
Venue : University Sports Stadium
the respected students of SVPUAT family

SVPUA&T holds International Academic Interaction under the Centre for International Relations (CIR)

The Sardar Vallabhbhai Patel University of Agriculture and Technology (SVPUA&T), Meerut marked a significant milestone toward global academic engagement by organizing an international academic interaction with faculty members from Japan under the aegis of its newly established Centre for International Relations (CIR).

The programme was chaired by the Hon'ble Vice Chancellor, **Triveni Dutt**, and was attended by Deans, Directors, faculty members, and PG and Ph.D. scholars of the University. The distinguished guest speakers included **Matsuno Yutaka**, Professor of Environmental Management, College of Agriculture, Kindai University, and **Noda Keigi**, Professor of Biological & Environmental Engineering. The event was coordinated by Dr. Pushpendra Singh, Associate Professor & Compliance Officer, Study in India (SII) Programme.

In his welcome address, Prof. Triveni Dutt highlighted the academic excellence, research achievements, and extension strengths of SVPUAT and expressed keen interest in fostering collaborative partnerships with leading Japanese universities.

Prof. Matsuno and Prof. Noda delivered insightful lectures on advanced water resource management strategies, precision agriculture technologies, and AI-driven innovations for sustainable farming systems. They emphasized the transformative role of Information and Communication Technology (ICT) in agriculture and water management, particularly the applications of Artificial Intelligence (AI) and Machine Learning (ML) in enhancing productivity and sustainability.

The visiting professors expressed strong interest in establishing joint academic and research collaborations in the near future. The Hon'ble Vice Chancellor conveyed optimism that this interaction would pave the way for long-term collaboration between SVPUAT, The University of Tokyo, and Kindai University, thereby strengthening the University's global footprint in alignment with the objectives of the National Education Policy 2020.

Prof. Dr. Pushpendra Kumar, Director, Centre for International Relations, proposed the initiation of a twinning programme in agriculture and technology with these universities. He also suggested onboarding the distinguished faculty as adjunct/visiting professors, alongside faculty and student exchange programmes.

Dr. Harsh Panwar, Associate Director, CIR, delivered the vote of thanks and expressed gratitude to the esteemed guests and participants, reaffirming the University's commitment to international academic excellence and global collaboration.

SVPUAT

SVPUA & T
MEERUT

माननीय कुलपति जी ने आज दिनांक २२.०२.२०२६ को छात्रावास का दौरा कर छात्रों से संवाद किया, उनकी सुविधाओं और समस्याओं को जाना। छात्र कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

RAGGING IS A
PUNISHABLE OFFENCE.
LBS Girls Hostel
MENU

एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन।

मेरठ: भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के उप कार्यालय क्षेत्रीय केन्द्रीय एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन केंद्र, लखनऊ द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (एन.पी.एस.एस) कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार, सम्मानित अतिथिगण डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव एवं डॉ विवेक, अधिष्ठाता (कृषि), सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, नई दिल्ली, डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी आई. पी. एम. और डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी, क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र, लखनऊ, ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ त्रिवेणी दत्त, कुलपति, ने विकसित भारत में कृषि के महत्व को बताते हुए समृद्धि के शताब्दी पर्व में एन पी एस एस ऐप एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैट बोट के इस्तेमाल पर जोर दिया। कुलपति महोदय ने बताया कि देश के कृषि क्षेत्र में आई नई तकनीकी से भारतीय कृषि को नई दिशा मिली है, अतः हम सभी लोगो का दायित्व है कि इसका पूर्ण रूप से पालन कर कृषि के डिजिटलीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करे। विशिष्ट अतिथि डॉ जे. पी. सिंह, वनस्पति संरक्षण सलाहकार, भारत सरकार ने विभिन्न जनपदों से आये हुए कृषि रक्षा, उद्यान विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के तकनीकी अधिकारियों को बताया कि राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है जो नवीनतम एआई/एमएल तकनीकों का उपयोगकर कीटों एवं बीमारियों की पहचान कर तत्कालसमाधान प्रदान करता है। व्याख्यान के दौरान वनस्पति संरक्षण सलाहकार ने कहा कि भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर बताया कि रासायनिक कीटनाशक अवशेष की मात्रा कृषि उत्पादों में तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसकी वजह से अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारत से विभिन्न कृषि उत्पादों के निर्यात में बाधा उत्पन्न हो रही है। डा सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि रासायनिक कीटनाशकों का अनुचित प्रयोग मानव शरीर पर दुष्परिणाम के साथ-साथ पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदेह है।

डॉ राम जी सिंह, कुल सचिव वर्तमान में चल रही ए आई सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए बताया कि आने वाला समय एआई का है ए आई आधारित एन पी एस एस ऐप का उपयोग करके किसानों की लागत को कम कर सकते है।

डॉ विवेक, अधिष्ठाता, कृषि ने उन्नत तकनीकी से कृषि करने पर जोर दिया एवं प्रशिक्षणार्थियों को एन पी एस एस के उपयोग पर जोर दिया।

डॉ. निरंजन सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, एनआरआईआईपीएम, ने सभागार में तकनीकी सत्र में उपस्थित विभिन्न जनपदों से आये हुए प्रशिक्षुओं को एन.पी.एस.एस. एप के डाऊनलोड से लेकर प्रयोग विधि, प्रविष्टि, फोटो अपलोड एवं सलाह जारी करने तक पूरी विधियों की प्रस्तुति ऑनलाइन करके दिखाया।

डॉ. सुनीता पाण्डेय, संयुक्त निदेशक एवं योजना प्रभारी, आई. पी. एम. ने वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के कार्यों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और एन पी एस एस ऐप के सैद्धांतिक पहलुओं पर चर्चा की। डॉ सुनीता के सभी सम्मानित अतिथियों एवं प्रतिभागियों की उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

डॉ. जी. पी. सिंह, संयुक्त निदेशक, प्रभारी अधिकारी क्षे. के. ए. ना. प्र. केंद्र ने आये हुए सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया। एन पी एस एस के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि यह ऐप नशीजीव की सही पहचान, समय पर निदान और नुकसान से होने वाले पूर्वानुमान के बारे में बताता है।

डॉ गजे सिंह, प्रोफेसर, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ आर एस सेंगर, प्रोफेसर एवं डॉ दिग्विजय सिंह, विभागाध्यक्ष कीट विज्ञान, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ ने कार्यक्रम संपन्न करने में विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेश कुमार, सहायक निदेशक, क्षे. के. ए. ना. प्र. कें. लखनऊ ने किया।

एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज एकेडमिक काउंसिल की 96वीं बैठक का आयोजन कुलपति डॉ त्रिवेणी दत्त की अध्यक्षता में किया गया इस बैठक में 26 प्रस्ताव रखे गए जिन पर विचार उपरांत के बाद सभी को पास कर दिया गया इस बार विभिन्न महाविद्यालय में छात्रों की संख्या पिछले वर्ष से लगभग 20% तक बढ़ा दी गई है जिससे प्रदेश के छात्रों को अधिक से अधिक संख्या में कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने का मौका मिल सकेगा इस बार एमवी एस सी वेटरनरी कॉलेज में एनिमल साइंस कॉलेज ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी में एमएससी M.tech तथा एचडी में इनफॉर्मेटिक्स साइंस में प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा बीटेक डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बीटेक इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी B.Tech इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग की भी क्लासेस और डिग्री प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार से बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स नेचुरल फार्मिंग एवं एमएससी ऑर्गेनिक एग्रीकल्चर में भी प्रारंभ की जाएगी इसके अलावा विश्वविद्यालय में MBA एग्री बिजनेस मैनेजमेंट की लगभग 50 सीट के साथ शिक्षा प्रारंभ की जाएगी।

कृषि विश्वविद्यालय में इस बार मैथमेटिक्स एवं डाटा साइंस में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को भी प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया गया इसके अलावा एमएससी एनवायरमेंटल साइंस में भी प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की गई है इसी प्रकार से एमएससी बायोकेमेस्ट्री मे भी शिक्षण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा इसके अलावा बीज प्रोडक्शन बीकीपिंग बायो एजेंट प्रोडक्शन फिश एक्वेरियम फेब्रिकेशन एंड मैनेजमेंट नेचुरल फार्मिंग मशरूम प्रोडक्शन क्लाइमेट रेजिडेंट एग्रीकल्चर रीजेनरेटिव एग्रीकल्चर टिशु कल्चर बेसिक मॉलेक्युलर टेक्निक्स के इनफॉर्मेटिक्स लैंडस्कैपिंग और गार्डनिंग प्रोडक्ट कल्टीवेशन ऑफ़ फ्लावर क्रॉप्स हाइड्रोपोनिक्स वेजिटेबल प्रोडक्शन पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट का फ्रूट्स एंड वेजिटेबल एग्जॉटिक वेजिटेबल प्रोडक्शन आदि विषयों पर वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया गया इसके अलावा कुलपति के मार्गदर्शन में अन्य कई वोकेशनल तथा सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किए जाएंगे जिससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश और भारत के लोगों को ट्रेनिंग डे कार्ड स्टार्टअप तथा एंटरप्रेन्योर्सशिप में उनको और आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर कुल सचिव प्रोफेसर रामजी सिंह वित्त नियंत्रक पंकज चतुर्वेदी विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता निर्देशक विभाग विभागाध्यक्ष विभिन्न महाविद्यालयों के फैकल्टी सिक्योरिटी वरिष्ठ एसोसिएट प्रोफेसर एवं वरिष्ठ असिस्टेंट प्रोफेसर शामिल रहे आज एकेडमिक काउंसिल का प्रारंभ वंदे मातरम से प्रारंभ किया गया और अंत में राष्ट्रगान के उपरांत बैठक का समापन हुआ यह पहला अवसर था जब विश्वविद्यालय में कुलपति डॉक्टर त्रिवेणी दत्त के निर्देशन में एकेडमिक काउंसिल एक नए और सुव्यवस्थित तरह से संपन्न हुई।

SVPUAT MEERUT